परिवार के लिए बागवानी से लाभ

वातावरण सुन्दर बनता है। हर-भरा पौधा और रंगीन फूलों को देखकर आपकी आँखों को सुकून मिलता है।

सोशल मीडिया पर जाने से बचते हैं और आप की आँख को आराम मिलता है।

अपना समय बागवानी में देते हैं, और शारीरिक व्यायाम होता है।

जब लोगों को अपना बगिया दिखाते हैं, समुदाय में मिलना जुलना बढ़ता है। आपकी बगिया को देखकर और भी लोग बागवानी शुरू कर देते हैं।

इससे जीरो-कॉस्ट (0-cost) बागवानी को बढ़ावा मिलता है और पौधों का आदान प्रदान होता है।

कम से कम व्यय में - बागवानी

बागवानी का खर्च 0 हो सकता है,

मोबाइल रिचार्ज के बराबर हो सकता है,

केबल टीवी के बराबर हो सकता है,

बाहर के खाने के बराबर हो सकता है,

पेट्रोल डीजल के बराबर हो सकता है,

मकान मालिक के आमदनी का 10वां हिस्सा हो सकता है 20वां हिस्सा।

बागवानी में पौधा का देख-रेख आसान

1. पौधा - गमला में पानी की मात्रा
2. नियमित रखरखाव का कुछ टिप्स
3. पौधा कहाँ रखायेगा (धूप या छॉव)
4. खाद कितना डालना है।
5. मिट्टी कैसा होना चाहिए।
6. गमले का आकार
7. गीला कूड़ा से खाद बनाना

पौधे के रख-रखाब के बारे में हम आप को बताना चाहेंगे।

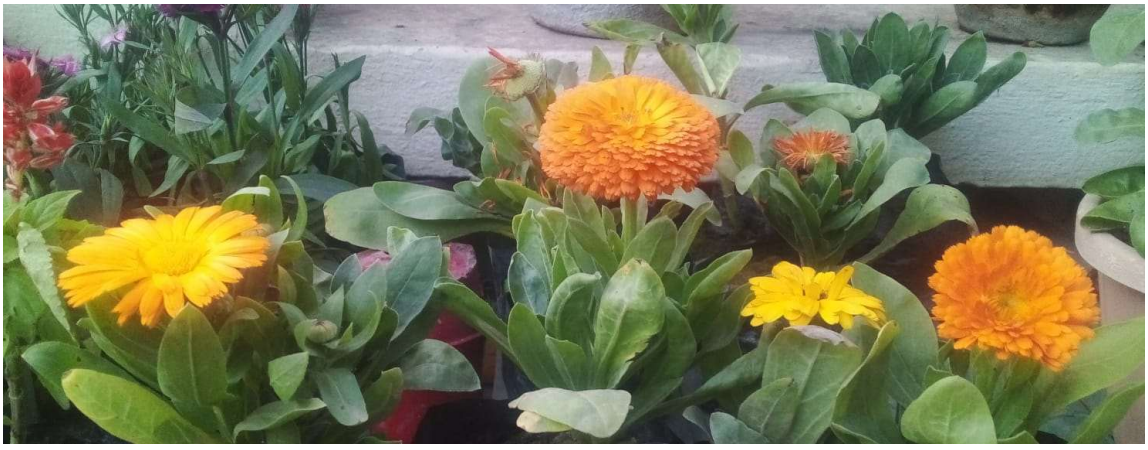

पौधे के **रख-रखाव** का कुछ **मुख्य तथ्य** है जिससे कि **पौधा हमेशा** -

मेंटेन रहेगा,

अच्छा फूल देगा, और

हरा-भरा रहेगा।

1. पानी की मात्रा

1.1 पौधों को अधिक पानी न दें। इससे जड़ सड़न या कीट संक्रमण हो सकता है।

.....

1.2 पौधा लगाते समय उतना ही पानी दें कि मिट्टी गीली हो जाय।

.....

1.3 **पानी देने से पहले नमी की जाँच के लिए मिट्टी को स्पर्श करें।**

.....

1.4 नियंत्रित पानी देने के लिए फुव्वारा का इस्तेमाल करें।

1.5 सुबह और शाम के समय ही पानी दें।

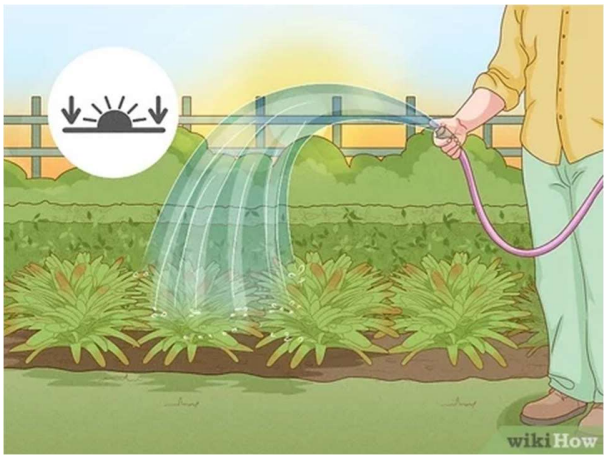

2. पौधों की नियमित रख-रखाव (कुछ विशेष बातें)

2.1 कठोर गर्मी के महीनों में **पानी के वाष्पीकरण को रोकने** के लिए, पौधों के चारो ओर सूखी पत्तियों या हरी घास डालें।

(यह जल संरक्षण में मदद करता है और पौधे को भी मदद करता है क्योंकि यह अंततः पौधों के लिए खाद बन जाता है।)

2.2 पौधों की पत्तियों में किसी भी प्रकार का **रोग लग** गया है या **पीला पड़ना** शुरू हो जाता है या फूल **मुरझा** जाते हैं, तो उस पत्ती एवं फूल को **तोड़ कर बाहर निकाल दे** (छोटी कैंची से)।

2.3 लगे हुए पौधे की मिट्टी की गुड़ाई 15-30 दिन में एक बार करना अच्छा होता है।

3. पौधा कहाँ रखायेगा (धूप में या छाँव में)

3.1 कुछ पौधा तेज धुप में होता है।

3.2 कुछ पौधा छाँव में होता है।

4. खाद कितना डालना है।

4.1 खाद डालने से पहले मिट्टी की **गुड़ाई करना** यानी ऊपर की मिट्टी को थोड़ा सा खोदना जरूरी होता है

इससे जड़ों तक खाद को पहुंचने में मदद मिलती है। गुड़ाई के दौरान जड़ों को नुकसान न पहुंचे, इस बात का ध्यान रखें।

4.2 पौधों की मिट्टी में पाउडर या तरल के रूप में उर्वरक या खाद को डालें।

4.3 उर्वरकों या खाद को डालने के बाद **थोड़ा पानी जरूर दें**, ताकि वह मिट्टी में अच्छी तरह से घुल सके।

ज्यादा पानी न दें, नहीं तो खाद बह जायेगा।

4.4 छोटे पौधों के लिए 50 ग्राम 15 दिन पर बड़े पौधों के लिए पौधों की लम्बाई के अनुसार।

खाद इस्तेमाल करने से पहले यदि गमलों में खरपतवार आदि उगी है, तो उन्हें हटा दें।

5. मिट्टी कैसा होना चाहिए।

5.1 मिट्टी भुरभुरी होनी चाहिए। पौधों के लिए दोमट/बलुआही मिट्टी सबसे अच्छी मानी जाती है।

पौधा लगाते समय मिट्टी में कंकड़, पत्थर घास फूस नहीं होना चाहिये। पौधा किसी भी मिट्टी में लगाया जा सकता है।

5.2 पौधा के लिए मिट्टी में मिला होता है -

- जैविक खाद (25%),
- कोकोपीट (10%),
- यदि बलुआहि मिट्टी नहीं है तो बालू (20%),
- नीम की खली (थोड़ा)
- फंगस पाउडर (बहुत थोड़ा)

6. गमला

6.1 गमले के पेंदी में छेदा होना चाहिए ताकि गमले का पानी निकल सके।

6.2 गमले की मिट्टी एक इंच नीचे होना चाहिये।

6.3 गमले का साईज पौधे के आकार पर निर्भर करता है।

पौधों के लिए गमला चुनते समय आपको तीन बातों का खास ख्याल रखें।

7. गीला कूड़ा से खाद बनाना

पौधों के लिए घर के गीले कूड़े की खाद सबसे अच्छी मानी जाती है, इसलिए आप घर के गीले कूड़े से खाद बनाएं।